

गौरा ढूँढ रही पर्वत पर शिव को पति बनाने को लिरिक्स



गौरा ढूँढ रही पर्वत पर,
शिव को पति बनाने को,
पति बनाने को, भोले को,
पति बनाने को,
गौरा ढूँढ रही पर्वत पे,
शिव को पति बनाने को। bdi

ना चाहिए मुझे माथे का टिका,
मांग सजाने को,
हमें तो चाहिए भोला तेरी माला,
हरी गुण गाने को,
गौरा ढूँढ रही पर्वत पे,
शिव को पति बनाने को। bdi

ना चाहिए मुझे सोने की नथनी,
नाक सजाने को,
हमें तो चाहिए भोला तेरी माला,
हरी गुण गाने को,
गौरा ढूँढ रही पर्वत पे,
शिव को पति बनाने को। bdi

ना चाहिए मुझे गले का हरवा,
गला सजाने को,
हमें तो चाहिए भोला तेरी माला,
हरी गुण गाने को,
गौरा ढूँढ रही पर्वत पे,
शिव को पति बनाने को। bdi

ना चाहिए मुझे सोने का कंगना,
हाथ सजाने को,
हमें तो चाहिए भोला तेरी माला,
हरी गुण गाने को,
गौरा ढूँढ रही पर्वत पे,
शिव को पति बनाने को। bdi

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



ना चाहिए मुझे रेशम की साड़ी,
तन पे सजाने को,
हमें तो चाहिए भोला तेरी माला,
हरी गुण गाने को,
गौरा ढूँढ रही पर्वत पे,
शिव को पति बनाने को।

ना चाहिए मुझे सोने की करधनी,
कमर सजाने को,
हमें तो चाहिए भोला तेरी माला,
हरी गुण गाने को,
गौरा ढूँढ रही पर्वत पे,
शिव को पति बनाने को।

गौरा ढूँढ रही पर्वत पर,
शिव को पति बनाने को,
पति बनाने को, भोले को,
पति बनाने को,
गौरा ढूँढ रही पर्वत पे,
शिव को पति बनाने को।

प्रेषक – राधेश्याम बारोड़ (रेहाता उप)